डॉ॰ शशि भूषण
अतिथि सहायक प्राध्यापक
हिन्दी विभाग
एस॰ आर॰ ए॰ पी॰ कॉलेज
बारा-चकिया।

B.A Part- 1
M. I. L
Hindi

Date: 13-02-2023

'कितने चौराहे' का कथानक (भाग-2)

मोहर्रिर मामा के परिवार में मामा मामी के अलावा दो प्राणी और हैं। एक उनका छोटा लड़का मटरू और दूसरी उनकी बेटी सरवतिया। सरवतिया को मनमोहन पहले अविवाहित समझता है। परन्तु बाद में उसे पता चलता है कि वह 'साइमन कमीशन गो बैक मिशन' के शहीद की विधवा है। पूरे परिवार में एक सरवतिया का आचरण और व्यवहार ही उसे निश्छल लगता है। मोहर्रिर मामा कभी-कभी शराब घर में लाते हैं। उस दिन घर झगड़ा और मारपीट होती है। उस रात सरवतिया मनमोहन के साथ रहती है। सरवतिया मनमोहन की माँ की तरह प्यार देती है और हर बात में उसका काफी ख्याल रखती है।

स्कूल के वातावरण से घिरे मनमोहन का मन रमने लगता है। घर में सरवतिया के प्रति उसका अनुराग बढ़ता जाता है। इसी बीच उसका संबंध स्कूल के आदर्शवादी और प्रतिभावान युवक प्रियोदा से होता है। प्रियोदा मैट्रिक में पढ़ता है। सभी लड़के और मास्टर उसे प्यार करे हैं। स्कूल में नहीं

उस छोटे से कस्बे में उसको प्रायः सभी जानते हैं। हर रविवार की सुबह वह बगल में झोली लटकाए 'सन्यासी आश्रम' के लिए मुटिया वसूलने लगता है। कभी अकेला कभी साथियों के साथ।